Samira Parveen
Senior Runner Up 1
Shri Bhairav Ratan Matra Sr. Sec. School
Bikaner

विषय: ''हममें से प्रत्येक व्यक्ति ग्लोबल वॉर्मिंग और मौसम के बदलाव को टालने और प्राकृतिक पर्यावरण की सुरक्षा के लिये क्या कर सकता है?''

ग्लोबल वार्मिंग - टालने के उपाय

वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग में कमी के लिए मुख्य रूप से सी.एफ.सी गैसों का उत्सर्जन रोकना होगा और इसके लिए फ्रिज, एयर कंडीशनर और दूसरे कूलिंग मशीनों का इस्तेमाल कम करना होगा या ऐसी मशीनों का उपयोग करना होगा जिससे सी.एफ.सी गैसें कम निकलती हो।

औद्योगिक इकाईयों की चिमनियों से नकलने वाला धुआँ हानिकारक है। और इनमें से निकलने वाला कार्बन डाई ऑक्साइड गर्मी बढ़ाता है। इन इकाईयों से प्रदूषण को रोकने के उपाय करने होंगे।

वाहनों से निकलने वाले धुएँ का प्रभाव कम करने के लिए पर्यावरण मानकों की सख्ती से पालन करना होगा, पेड़ों की कटाई रोकनी होगी, जंगलों के संरक्षण पर ध्यान देना होगा। हमारे देश की जिम्मेदारी हमारे हाथों में है इसके लिए आवाज़ उठानी चाहिए।

प्राकृतिक पर्यावरण संरक्षण -

जैसा हम सब जानते हैं कि पर्यावरण प्रदूषण के कुछ दूरगामी दुष्प्रभाव, जो अतीमघातक हैं, जैसे आण्विक विस्फ़ोटों, रेडियोधर्मिता का आनुवांशिक प्रभाव, वायुमंडल का तापमान का बढ़ना, ओजोन परत की हानि, भूक्षरण आदि ऐसे घातक दुष्प्रभाव हैं। प्रत्यक्ष दुष्प्रभाव के रूप में जलवायु तथा परिवेश का दूषित होना एवं वनस्पतियों का विनष्ट होना, मानव का अनेक नए रोगों से आकांत होना आदि देखे जा रहे हैं। कारखानों से विषैला अपशिष्ट बाहर निकलने से तथा प्लास्टिक आदि कचरे के प्रदूषण की मात्रा उत्तरोत्तर बढ़ रही है।

इसलिए मैं भैरव रतन की छात्रा समीरा परवीन यह शपथ लेती हूँ कि अपने जीवनकाल में कम से कम एक पौधा अवश्य रोपूंगी और पेड़ बनने तक उसकी देखभाल भी करूंगी। साथ ही अपने मित्रों, परिचितों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए उन्हें भी एक पौधा रोपने के लिए प्रेरित करूंगी। ताकि आने वाली पीढ़ी को हम बेहतर कल दे सकें। पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है इसे बचाने का प्रयास देश के जन-जन को करना चाहिए।

मौसम में बदलाव टालने के उपाय-

हम आपसे बात करते हैं मौसम में जलवायु परिवर्तन की। कि मौसम में जलवायु परिवर्तन कैसे होता है। जलवायु परिवर्तन का मतलब मौसम में आने वाले व्यापक बदलाव से है। यह बदलाव ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में बेतहाशा वृद्धि के कारण हो रहा है। मौसम के बदलाव को रोकने के लिए जैव संरक्षण व पेड़ों को काटने से बचाया जाए जिससे हमारे मौसम में समय पर बदलाव रुक जाएगा।

Hindi